गुरुवर को अपना बनाकर देख ले | By PAWAN DAGA

गुरुवर को अपना बनाकर देख ले।।
चरणों में तू शीश झुका कर देख ले।।
ओ....गुरुवर को अपना बनाकर देख ले।।
चरणों में तू शीश झुका कर देख ले।।

परम संतगुरु है मेरे परमात्मा
हर दिल में बसती है गुरु की
परम संत गुरु है मेरे परमात्मा
हर दिल में बसती है गुरु की
गुरु चरणों में लौ लगाकर देख ले।।
चरणों में तू शीश झुका कर देख ले।।
ओ....गुरुवर को अपना बनाकर देख ले।।
चरणों में तू शीश झुका कर देख ले।।

परमेश्वर से गुरु मेरे मिलवाते हैं
सब देवों का आशीर्वाद दिलवाते हैं
परमेश्वर से गुरु मेरे मिलवाते हैं
सब देवों का आशीर्वाद दिलवाते हैं
गुरुवर से तू प्रीत बढ़ाकर देख ले।।
चरणों में तू शीश झुका कर देख ले।।
ओ....गुरुवर को अपना बनाकर देख ले।।
चरणों में तू शीश झुका कर देख ले।।

धरती और अंबर में दिव्य प्रकाश है।
तीन लोक में गुरुवर का निवास है।
धरती और अंबर में दिव्य प्रकाश है।
तीन लोक में गुरुवर का निवास है।
चहु दिशि नजरें घुमाकर देख ले।
चरणों में तू शीश झुका कर देख ले।।
ओ....गुरुवर को अपना बनाकर देख ले।।
चरणों में तू शीश झुका कर देख ले।।

गुरुवर को अपना बनाकर देख ले।।
चरणों में तू शीश झुका कर देख ले।।
ओ....गुरुवर को अपना बनाकर देख ले।।
चरणों में तू शीश झुका कर देख ले।।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a5%81%e0%a4%b5%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%85%e0%a4%aa%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%96-%e0%a4%b2/